Roll No. ..... Total Pages: 04

2117

B.A SECOND YEAR EXAMINATION, 2019

HINDI LITERATURE

Paper – II

गद्य (Gadhya)

Time: Three Hours

Maximum Marks: 100

PART – A (खण्ड – अ) *[Marks: 20]*

Answer all questions (50 words each).

All questions carry equal marks.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – B (खण्ड – ब) *[Marks: 50]*

Answer five questions (250 words each).

Selecting one from each unit. All questions carry equal marks.

*प्रत्येक इकाई से **एक–एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल पाँच प्रश्न कीजिए।*

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – C (खण्ड – स) *[Marks: 30]*

Answer any two questions (300 words each).

All questions carry equal marks.

*कोई **दो प्रश्न** कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।*

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड– अ

प्र.1 सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(i) हार की जीत कहानी के रचनाकार का नाम बताइये?

(ii) बनारस में दो प्रकार के एक्कों के नाम बताइये?

(iii) 'मेरी जन्मभूमि' निबन्ध में किस गाँव का वर्णन किया गया है?

(iv) सीमा रेखा एकांकी में लेखक विष्णु प्रभाकर ने किसका वर्णन किया है?

(v) 'आकाशदीप' कहानी के दो प्रमुख पात्रों के क्या नाम हैं?

(vi) ''ठगिनी क्यों नैना झमकावै! ठगिनी!'' ये पंक्तियाँ किस कहानी से ली गई है। इसके रचनाकार का नाम बताइये।

(vii) 'शरण दाता' कहानी के कहानीकार का नाम बताइये।

(viii) 'हिरामन' किस कहानी का प्रमुख पात्र है? कहानी में किन भावों का वर्णन मिलता है?

(ix) शुक्ल युग के प्रमुख निबंधकार एवं आलोचक का नाम बताइये?

(x) आधुनिक नवीन विधाओं के नाम बताइये।

खण्ड – ब

इकाई – I

प्र.2 निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिएः–

बाबा भारती दौड़ते हुए अंदर घुसे और अपने घोड़े के गले से लिपट कर इस प्रकार रोने लगे, जैसे बिछड़ा हुआ पिता चिरकाल के पशचात् पुत्र से मिलकर रोता है। बार–बार उसकी पीठ पर हाथ फेरते, बार–बार उसके मुँह पर थपकियाँ देते और कहते थे– अब कोई गरीबों की सहायता से मुँह न मोड़ेगा।

अथवा

प्र.3 साधारण एक्के के घोड़े भारतीय दरिद्रता के अलबम हैं या यों कहिए कि आजकल स्कूलों और कॉलेजों के अधिकांश विद्यार्थियों की चलती फिरती तस्वीरें हैं। मालूम नहीं इनके मालिक इन्हें खाने को देते हैं या नहीं या कितना देते हैं, पर बेचारे जानवर होते हैं बड़े जीवट के। पसली की हड्ड्रियाँ ऐसी दृष्टिगोचर होती हैं कि उसे देखकर आश्चर्य होता है। इतने पर भी, इनमें इतना साहस है कि तीन वृहदाकार विशिष्ट गुरूत्वपूर्ण मानस पिण्ड़ों को कुछ खींच ही ले जाएँगे।

इकाई – II

प्र.4 'कबीर साहब से भेंट' निबन्ध में व्यक्त विचारों को समझाइयें।

अथवा

प्र.5 पंच और परमेश्वर का बड़ा गहरा संबंध है। इस निबन्ध के आधार पर इस कथन की व्याख्या कीजिए।

इकाई – III

प्र.6 निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

चम्पा के एक उच्च सौध पर बैठी हुई तरुणी चंपा दीपक जला रही थी। बड़े यत्न से अम्रक की मंजूषा में दीप धरकर उसने अपनी सुकुमार उँगलियों से डोरी खींची। वह दीपाधार ऊपर चढ़ने लगा। भोली–भाली आँखे उसे ऊपर चढ़ते बड़े हर्ष से देख रही थीं। डोरी धीरे–धीरे खींची गई। चंपा की कामना थी कि उसका आकाशदीप नक्षत्रों से हिल–मिल जाए, किंतु वैसा असंभव था। उसने आशाभरी आँखे फिरा ली।

अथवा

प्र.7 कमरे की खिड़की खुली थी और दूर तक खुला आकाश दिखाई दे रहा था। खिड़की से दिखाई देते हुए उन नक्षत्रों के विन्यास से वह परिचित थी। वही नक्षत्र वह बंबई की उस मनहूस बस्ती से ऊपर भी झिलमिलाते देखा करती थी। यहाँ से वे उसे तिरछे कोण से दिखाई देते थे, वहाँ वह अहाते में लेटकर उन्हें ठीक अपने ऊपर देखा करती थी। उसी तरह लेटे हुए वह बिन्नी की आहट की प्रतीक्षा करती थी। हूंफ–हूंफ की ध्वनियाँ पास आती और दूर चली जाती थी। फिर दूर से फटे हुए गले की बेहूदा आवाज सुनाई देने लगती, ओ डैडाई है ड्विजोफेंजल....।

इकाई – IV

प्र.8 'हार की जीत' कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालते हुए इसकी मूल संवेदना को अभिव्यक्त कीजिए।

अथवा

प्र.9 'यात्रा का रोमांस' यात्रा वृतान्त के आधार पर यायावर–वृत्ति की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

इकाई – V

प्र.10 प्रेमचंद युगीन कहानी की प्रमुख विशेषताएँ बताइये।

अथवा

प्र.11 प्रसाद युगीन नाटक की प्रमुख विशेषताएँ बताइये।

खण्ड– स

प्र.12 कहानी कला के तत्वों के आधार पर 'पाजेब' कहानी की समीक्षा कीजिए।

प्र.13 ''प्रेमचंद का कथा सृजन आदर्श से यथार्थ की यात्रा है।'' कथन को स्पष्ट करते हुए 'कफन' कहानी की समीक्षा कीजिए।

प्र.14 'आर्द्रा' कहानी में माँ के मन की भावनाओं को चित्रित किया गया है। कथन के आधार पर 'आर्द्रा' कहानी की समीक्षा कीजिए।